महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

एम.ए. स्त्री अध्ययन

प्रारम्भिक व्याख्यान (उनके लिये जो दूसरे अनुशासनों से स्त्री अध्ययन में आये हैं)

- स्त्री अध्ययन क्यों
- स्त्री आंदोलन और स्त्री अध्ययन
- स्त्री आंदोलन और स्त्री अध्ययन के बीच द्वन्दात्मक सम्बन्ध
- स्त्री अध्ययन की अन्तरानुशासनिकता
- स्त्रीवाद और स्त्रीवादी सिद्धान्त क्या हैं
- स्त्री: उत्पादन और पुनरूत्पादन
- पितृसत्ता की उत्पत्ति व संरचना (बुनियादों सिद्धांतो जैसे जेण्डर, यौनिकता, शक्ति/हिंसा की व्याख्या)

प्रथम छमाही

प्रथम प्रश्नपत्र : ज्ञान उत्पादन की नारीवादी आलोचना

युनिट 1: **जेण्डर की दृष्टि से विचारधारा और ज्ञान का उत्पादन**

- ज्ञान से स्त्रियों का निष्काषन
- शैक्षणिक और पाठ्यसामग्री का अध्ययन जैसे स्कूल और कालेज पाठयपुस्तक

युनिट 2: अन्तरानुशासनिकता का प्रश्न

- कुछ महत्वपूर्ण अनुशासनों की आलोचना (किन्हीं दो को लिया जा सकता है; अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और दर्शनशास्त्र इत्यादि)
- अन्तरानुशासनिकता: समस्याएँ और सम्भावनाएँ

युनिट 3: स्त्री आंदोलन का इतिहास

- स्त्री प्रश्न का इतिहास: भारत और यूरोप (बुनियादी मुद्दे-मताधिकार, कामगार महिलाओं का सवाल, जन्म नियंत्रण आंदोलन)
- भारत में स्त्री आंदोलन: महत्वपूर्ण मुद्दे

युनिट 4: स्त्री अध्ययन का संस्थानीकरण और इसकी चुनौतियाँ

- स्त्री अध्ययन अकादमिक अनुशासन के रूप में
- एकीकरण और स्वायत्ता की बहस
- स्त्री अध्ययन विभागों के अनुभव और चुनौतिया
- हाशिये के दूसरे समूहों का अनुभव/अनुशासन (हम ले सकते है: सामाजिक निष्काषन, दलित, जनजाति, क्षेत्रीय अध्ययन इत्यादि)

द्वितीय प्रश्नपत्र: स्त्रियों का विलुप्त इतिहास

युनिट 1: इतिहास में महिलाओं की अवस्थिति

- एन.सी.आर.टी. 'टेक्स्ट बुक' के माध्यम से भारतीय इतिहास का अवलोकन (दसवीं और बारहवीं कक्षा)
- मुख्यधारा के इतिहास लेखन की समस्याएँ : निष्काषन और दृश्यता

- महिलाओं के इतिहासों के पुनर्प्राप्ति की संभावनाएं

युनिट 2: आरम्भिक राजनीतिक संरचना और पितृसत्ता का मजबुतीकरण

- मेसोपोटामिया में जाति, राज्य और लिंग, प्राचीन भारत में जाति, राज्य और लिंग
- पितृसत्ता के भीतर स्त्रीयों का सम्मिलन : भद्र महिलाएँ और उनके सत्ता का मार्ग (बहुपत्नि प्रथा, पर्दा आदि)

युनिट 3: भारत में श्रम और सम्पत्ति संबंध

- श्रम का लैंगिक विभाजन
- सम्पत्ति संबंध और उत्तराधिकार
- स्त्रियों की श्रम में भागीदारी
- श्रेत्रिय विभिन्नताएं और कृषि विस्तार की प्रमुख प्रवृत्तियां

युनिट 4: **धार्मिक परम्पराएं**

- वैदिक ब्राम्हणवादी परम्परा
- बौळ और जैन चुनौती
- मध्ययुगीन भक्तिवाद-भक्ति, और सुफी धाराएँ
- अन्य भारतीय परम्पराएं - इस्लाम और ईसाइयत

तृतीय प्रश्नपत्र: पढ़ने के तरीके/साहित्य

युनिट 1: **विहंगावलोकन**

- स्त्री अध्ययन और साहित्य से इसका विशेष संबंध
- साहित्य तथा सामाजिक जीवन में पितृसत्ताएं
- प्रस्तुतीकरण और प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त
- साहित्यिक कृति का नारीवादी अध्ययन
- साहित्यिक विधाओं की नारीवादी पड़ताल

युनिट 2: महाकाव्यों के पढ़ने के तरीके और उनकी पुर्नरचना

- महाकाव्यों के ऐतिहासिक संदर्भ में महिलाएं (रामायण, महाभारत)
- शकुन्तला/माधवी/उर्वशी
- सीता, मनिमेखला (सिलपतिहारन)

युनिट 3: **लोकविधाओं, मौखिक आख्यानों और प्राचीन रोमांटिक कथाओं में महिलाओं की स्थिति**

- प्राचीन रोमांटिक कथाएं - हीर रांझा/सोहनी महिवाल/लोरिक चन्दा
- भक्ति के मौखिक साहित्य में स्त्री स्वर का उदय (हम मीरा, महादेवी अक्का, चोक्याची महरी, बहिनाबाई, अण्डाल, लल्द, कबीर, सूरदास, तुलसी को ले सकते हैं)
- सूफी परम्परा में स्त्री स्वर (हम राबिया, बुल्ले शाह, शाह हुसैन को ले सकते हैं)

युनिट 4: **आधुनिक हिंदी साहित्य में महिलाएं**

- आत्मकथाएं
- लघुकथाएं
- काव्य
- पत्र-पत्रिकाएं
- उपन्यास

चतुर्थ प्रश्नपत्र : देखने के तरीके/सिनेमा टी.वी.

युनिट 1: **माध्यम के रूप में सिनेमा और तकनीक का परिचय**

- जनसंचार के प्रस्तुतीकरण के सिद्धान्त
- विज्ञापन और वैश्विक उपभोक्ता का उत्पादन
- सिनेमा के सिद्धान्त

आवश्यक अध्ययन

- जॉन बर्गर - देखने का तरीका का सिद्धान्त
- मिडिया की समझ - मार्शल मैक लुहान
- दृश्य आनन्द और आख्यावक सिनेमा: लॉरा मलवी
- विज्ञापन का विमर्श - गाय कूक

युनिट 2: **भारत में सिनेमा और टेलीविजन का इतिहास**

- सिनेमा का विकास - विविध रूप
- लोकप्रिय माध्यम के रूप में सिनेमा का विकास
- प्रतिरोध के रूप में डाक्यूमेन्ट्री (दहेज, सती, बलात्कार, साम्प्रदायिक्ता और हिंसा के अनेक रूपों पर बनी डाक्यूमेन्ट्री)

आवश्यक अध्ययन:

- टेलीविजन - रेमण्ड विलियम
- महिलाओं की तस्वीरें, नारीवाद और सिनेमा अन इ कालाव

युनिट 3: **मिडिया का सामाजिक राजनीतिक तंत्र**

- सिनेमा और टी.वी. का राजनीतिक अर्थशास्त्र
- स्वप्न निर्माता के रूप में मिडिया: लोकप्रिय प्रत्रिकाएं
- भारतीय मिडिया में जाति और वर्गीय पूर्वाग्रह
- दंगे की स्थिति में मिडिया की भूमिका

आवश्यक अध्ययन:

युनिट 4: **स्त्री और दृश्यपटल**

- भारतीय सिनेमा की मुख्यधारा में अच्छी स्त्री और खराब स्त्री
- भारतीय सिनेमा में नयी स्त्री की रचना
- स्त्री द्वारा निर्मित सिनेमा

द्वितीय छमाही

प्रथम प्रश्नपत्र : पितृसत्ता, सामाजिक पुर्नउत्पादन और यौनिकता

युनिट 1: समाजिक पुनरूत्पादन की अवधारणा

- मातृत्व के द्वारा पुनरूत्पादन की राजनीति अथवा पुनरूत्पादन की राजनीति और मातृत्व
- विवाह - यौन नियंत्रण का एक रूप
- पितृसत्तात्मक विचारधाराओं के द्वारा स्त्री शरीर पर नियंत्रण - सहमति, मिलीमगत, पवित्रता, सम्मान (गौरव)
- पितृसत्ता की हिंसा और पुर्नउत्पादन

युनिट 2: यौनिकता की सामाजिक संरचना

- यौनिकता का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य - पुराणों में विभिन्न यौनिक व्यवस्थायें (नगरवधू और देवदासी का चयन किया जा सकता है)
- पितृसत्ता की सामाजिक संरचना - नियम, अपवाद व दण्ड
- त्याग व ब्रम्हचर्य
- उच्च जातीय विधवाओं का जबरन कौमार्यव्रत
- राष्ट्रवादी विमर्श में यौनिकता

युनिट 3: यौनिकता के बारे में समकालीन बहसें

- यौन कार्य के बारे में बहसे
- द्वितीयकता के परे: विविध यौनिकताओं की पहचान
- यौनिक अधिकार आंदोलन

द्वितीय प्रश्नपत्र: जाति, वर्ग और लिंग

प्रारम्भिक व्याख्यान: जाति, लिंग और वर्ग का परिचय

युनिट 1: जाति के सिद्धान्त

- जाति की संरचनावादी विश्लेषण
- जाति की मौतिकवादी विश्लेषण
- दलित परिप्रेक्ष्य

युनिट 2: जाति और लिंग

- विवाह और जाति का पुनरूत्पादन
- समूह के भीतर व बाहर विवाह के नियम (Endogamy Exogamy)
- जाति पंचायत और विवाह संस्था का सुदृड़िकरण
- राज्य की संस्थायें और अंतरजातीय विवाह

युनिट 3: जनजाति और जाति: अवस्थान्तर और निरंतरता का प्रश्न

- जनजाति की संरचना और उनके सामाजिक आर्थिक संबंध
- जनजाति और जाति के बीच संबंध
- जनजाति का जातीय समाज में रूपान्तरण
- जनजाति में श्रम का लैंगिक विभाजन

युनिट 4: वर्ग क्या है?

- वर्ग का परिचय
- भारतीय समाज का वर्ग विभाजन (कृषि संबंध)
- वर्ग और जाति में संबंध
- वर्ग और लिंग में संबंध

तृतीय प्रश्नपत्र: स्त्री और स्वास्थ्य

युनिट 1: स्त्री स्वास्थ्य के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारक

- बिमारी के रूप में स्त्रीत्व : स्वास्थ्य बनाम सुन्दरता, सामान्य स्वास्थ्य बनाम प्रजनन स्वास्थ्य
- कुपोषण की राजनीति, कुपोषण और रक्ताल्यता
- सामाजिक, सांस्कृतिक वर्जनाएं और व्यवहार (वय, सांधि, गर्भावस्था, शिशुजन्म, रजोनिवृत्ति)
- स्वास्थ्य सुविधाओं तक आम जनता की पँहुच
- महिला का पेशागत स्वास्थ्य: घरेलू, कृषि और असँगठित मजदूरी

युनिट 2: सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों में लैंगिक गैरबराबरी

- सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति की समीक्षा
- चिकित्सकीय शोध में लैंगिक पूर्वाग्रह
- उदारीकरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रभाव: उपभोग के रूप में स्वास्थ्य
- महिला शरीर का चिकित्सकीकरण: गर्भावस्था और शिशुजन्म
- राष्ट्रीय ग्रामिण स्वास्थ्य मिशन और स्वास्थ्य में संरचनागत सुधार

युनिट 3: प्रजनन स्वास्थ्य और जनसंख्या नीति

- जन्म नियंत्रण बनाम जनसंख्या नियंत्रण: महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रभाव
- वैश्विक गर्भपात अधिकार आन्दोलन: वैधता के मुद्दे, लिंग चयन
- प्रजनन नियंत्रण तकनीकी और महिलाओं पर इसके विपरीत प्रभाव
- मातृत्व की बदलती अवधारणा: सरोगेट मातृत्व

युनिट 4: हाशिए से केन्द्र की ओर

- विशिष्ट समूहों की स्वास्थ्य जरूरते: शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति
- साम्प्रदायिक या अन्य द्वन्द के स्थिति में यौन हिंसा की शिकार महिलाएँ
- मानसिक स्वास्थ्य

युनिट 5: चिकित्सा का इतिहास

- चिकित्सक के रूप में महिलाएं और उनका क्रमिक हाशियाकरण
- प्रमुख स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की नारीवादी आलोचना: आयुर्वेद, होम्योपेथी, एलोपोथी
- महिलाओं का खुद के शरीर पर अधिकार का दावा और स्वास्थ्य स्व सहायता आंदोलन

चतुर्थ प्रश्नपत्र: दक्षिण एशियाई साहित्य में स्त्री

युनिट 1: दक्षिण एशियाई इतिहास और स्त्री आंदोलन का अवलोकन

दक्षिण एशिया एक भू-संस्कृतिक ईकाई पाकिस्तान बांग्लादेश श्रीलंका और नेपाल का संयुक्त इतिहास। विकासात्मक एवं राजनीतिक मुद्दे, स्त्रियों के मुद्दे और स्त्री प्रतिरोध (विशेषतः प्रतिष्ठा के लिए की जाने वाली हत्याएँ और Huddod ordinance, WAF द्वारा पाकिस्तान में प्रतिरोध, ... देश के गरीबी मानवतस्करी और वेश्यावृत्ति नेपाल के जनप्रतिरोध में महिलाओं की भूमिका।

युनिट 2: प्रमुख भारतीय भाषाओं के साहित्य में स्त्रियों का प्रतिनिधित्व (किन्हीं दो भाषा साहित्य)

19वीं सदी में स्त्री संबंधी सवालों का उदय एक समग्र अवलोकनार्थ वीर भारत तलवार (रस्साकसी), भवदेव पाण्डेय (बंद महिला) के साथ साथ गैर हिंदी भाषी साहित्य के किंद्दीदो लेखकों का विस्तार पूर्वक अध्ययन (किसी दो भाषा कों)

बांग्ला: संक्षिप्त समीक्षा इनमें से कोई तीन चयन करें

रासासुंदरी देवी (अमर जीबन) **बिनोदिनी दासी** (अमर कोण), **बंकिम चन्द्र** (कपालकुण्डला/देवी चौधारानी), **शरत चन्द्र** (परिणीता/पाथेट दबि), **रबिन्द्र नाथ टैगोर** (घरे बैरे/जोगाजोग/चोखेर बाली), **आशापूर्ना देवी** (प्रथम प्रतिश्रृति)

मराठी: संक्षिप्त समीक्षा निम्न में से कोई तीन

काशीबाई कानिटकर (पालकिचा गोंडा), **लक्ष्मीबाई तिलक** (स्मृति चित्र), **हमसा वडकर** (सांगते ऐकाद्), **गीता साने** (हीरवालीखाली), **उर्मिला पवार** (एडन), **प्रज्ञा लोखंडे** (कविताएँ)

युनिट 3: दक्षिण एशियाई साहित्य (किन्हीं दो राष्ट्रीय साहित्यों का अध्ययन)

पाकिस्तान: मुमताज शहनवाज़ (ए हर्ट डिवाइडेड (A Heart Divided)), बापसी सिध्वा (द पाकिस्तानी ब्राइड/क्रौकिंग इण्डिया) तहमीना दुर्रानी (मेरे आंका (My Feudal Lord))

बांग्लादेश: सेलिना होसैन (जोलोच्छास/जुड्डा) फिरदौस आजिम, नियाज जम़न, नसरीन जेहान (लघु कथाएँ), सूफिया कमाल, जस्मुद्दीन (पोएट्री)

युनिट 4: दक्षिण एशियाई साहित्य में स्त्रियों का प्रतिरोधी साहित्य

- **काव्य:** चन्द्रावली गीत माइमेन सिंहा गीतिका (बांग्ला/बांग्लादेश, केश्धर नहीद और फेहमिदा रियाज (पाकिस्तान)
- **गद्य:** तसलीमा नसरीन लज्जा, अमर मेयबेला (बांग्ला/बांग्लादेश), ज़हिदा हिना पाकिस्तान डायरी/ना जुनुन रहा, ना परी रही (उर्दू पाकिस्तान), माया ठाकुर-द ट्रैप (नेपाली-नेपाल) **सी.एस. लक्ष्मी अलियास अम्बे**-लघु कथाएँ: द स्कैवरल **वोल्गा-**अयोनी (तेलगू भारत) **बामा-**करिक्कू (तामिल भारत) **वैधेही-**रेटेलिंग शकुन्तला (कन्नड-भारत) **नवनीता देव सेन-**रामायण रेनट्रस्प्रीटेड (बांग्ला-भारत)

तृतीय छमाही

प्रथम प्रश्नपत्र : जेण्डर और विकास का राजनैतिक अर्थशास्त्र

युनिट 1: राजनैतिक अर्थशास्त्र की बुनियादी अवधारणाएँ

- राजनैतिक अर्थशास्त्र क्या है
- आर्थिक गतिविधि क्या है (कार्य, मजदूरी श्रमशक्ति की व्याख्या)
- औपचारिक/अनौपचारिक श्रम में महिलायें
- उत्पादन, उपभोग और वितरण

युनिट 2: मुख्यधारा के आर्थिक सिंळातों की स्त्रीवादी आलोचना

- मुख्यधारा के नवउदारवादी आर्थिक सिद्धान्तों की बुनियादी मान्यताएँ
- इन मान्यताओं की नारीवादी आलोचना
- तर्कसंगत मनुष्य तथा सतत विकास की मान्यताओं की आलोचना
- घरेलू श्रम पर बहस

युनिट 3: विकास की बहसों का सन्दर्भ

- सामाजिक पुर्नउत्पादन एवं इसकी पहचान
- राज्य की कल्याणकारी नीतियाँ
- भूमंडलीकरण और आर्थिक गतिविधी में बदलाव
- श्रम के वैश्विक बाजार में महिलाएं
- भूमंडलीकरण पर महिलाओं का प्रतिरोध

युनिट 4: उपभोग के तरीके

- उपभोग की इकाई के रूप में परिवार
- अन्तर परिवारिक विभाजन
- वैधानिक अधिकार, पात्रता/पात्रता का अभाव तथा मोलतोल
- ''देखभाल'' का अर्थशास्त्र

युनिट 5: मानव विकास परिप्रेक्ष्य

- विकास के समकालीन 'माडल' (जैसे मानव विकास अवधारणा और सूचक, ट्रिकल डाउन सिद्धान्त, समता और अमर्त्य सेन द्वारा विकसित सामाजिक न्याय की अवधारणा)
- लैंगिक विकास का दिखावा, विड-वेड; गिड-गेड (WID-WAD/GID-GAD) अन्तरराष्ट्रिय निवेशक और विकास का दिखावा
- स्वंय सेवी समूह और लघुऋण की नीतियां
- विज्ञान और तकनीक की नारीवादी आलोचना

द्वितीय प्रश्नपत्र : अन्तरराष्ट्रीय राजनीतिक विन्यास और सैन्यकरण: सहमति और असहमति

युनिट 1: नया अन्तरराष्ट्रीय राजनीतिक विन्यास

- बहुध्रुवीय से एक ध्रुवीय विश्व
- भूमण्डलीकरण और राष्ट्र-राज्य की भूमिका
- राष्ट्र, राज्य और बाजारीकरण

युनिट 2: स्त्री श्रम पर भूमण्डलीकरण का प्रभाव

- श्रमशक्ति का अन्तरराष्ट्रीय विस्थापन: विस्थापित श्रमिक के रूप में महिलाएं
- सेक्स बाजार

युनिट 3: स्त्री और सैन्यीकरण

- सैन्यीकरण और विवाद
- सत्ता का अन्तरराष्ट्रिय अनुक्रम (पुर्नउपनिवेशीकरण, उत्तर/दक्षिण आदि)
- स्त्रीयों पर सैन्यीकरण का आर्थिक अन्य प्रभाव

युनिट 4: युद्ध/द्वन्द की स्थिति में महिलाएं

- सैन्यिक आन्दोलनों में महिलाएं
- दंगों में महिलाओं का दक्षिणपंथी साम्प्रदायिक ध्रुविकरण
- शांति आंदोलनों में महिलाएं

युनिट 5: एक ध्रुविय विश्व में मिडिया

- वर्चस्वशाली विश्व मान्यताएं और असहमति की निर्मिती
- कार्पोरेटाइजेशन और इसका प्रभाव
- आंतक का भय: सैन्य हस्तक्षेप को वैधता
- असहमति के उपकरण के रूप में मिडिया: प्रतिरोध के बिन्दु

युनिट 6: बहुध्रुवीय विश्व की ओर प्रतिरोध के पक्ष

- अफगानिस्तान, इराक, ईरान, और फिलिस्तीन
- लैटिन अमेरिका
- रूस और चीन
- जन आन्दोलन

तृतीय प्रश्नपत्र: राज्य विचारधारा, विधिक और शैक्षिक संस्थान

प्रारम्भिक व्याख्यान:

राज्य का चरित्र

राज्य के विचारधारात्मक औजार

युनिट 1: राज्य का लैंगिक स्वरूप

- राज्य की विचारधारएं: आधुनिक राज्य का पैतृकवाद
- नागरिकता का प्रश्न: औपचारिक समानता और वास्तविक समानता
- उत्तर औपनिवेशिक राज्य की नीतियां, भारत में महिलाओं के लिए कल्याणकारी परियोजनाएं

युनिट 2: लैंगिक नागरिकों की रचना: शिक्षा और लैंगिक समाजीकरण

- पत्नि और मां के रूप में महिला शिक्षा: 19वीं और 20वीं शताब्दी में वर्ग और औपनिवेशिक जरूरतों की पूर्ती
- स्त्री और शिक्षा पर समकालीन बहसें और नीतियाँ

युनिट 3: भारत में समकालीन कानूनी व्यवस्था

- परिवार के भीतर: व्यक्तिगत आचरण; विवाह, उत्तराधिकार, अभिभावकत्व
- परिवार के भीतर: स्त्री विरोधी हिंसा, दहेज और घरेलू हिंसा
- कामगार महिलाओं के लिए कानून: मातृत्व लाभ और बच्चे की देखरेख
- यौनिक हिंसा: बलात्कार कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न

युनिट 4: नारीवादी कानूनी सिद्धान्त

- कानूनी व्यवस्था की नारीवादी आलोचना
- दण्ड विधान में गुनाहगार/तथा गुनाह के शिकार औरतें

युनिट 5: स्त्री आन्दोलन और कानून

- बदलते कानून (जैसे-बलात्कार दहेज हत्या, सती और घरेलू हिंसा पर कानून)
- राज्य के साथ कार्य के अनुभव का विश्लेषण: महिला आन्दोलन में समकालिन बहसें

चतुर्थ प्रश्नपत्र: राष्ट्रवाद, उपनिवेशवाद और जेण्डर

युनिट 1: भारत की औपनिवेशिक संरचना और महिला प्रश्नों का उदय

- प्राच्यवाद
- जेम्स मिल और ब्रिटिश भारत का इतिहास
- आध्यात्मिक भारत की भारतविदों द्वारा रचित छबि

युनिट 2: प्रारम्भिक ब्रिटिश सामाजिक संरचना और संस्थागत हस्तक्षेप

- सतीप्रथा का उन्मूलन और विधवा पुर्नविवाह कानून (और अन्य कानूनी बहसें)
- कर व्यवस्था और सम्पत्ति संबंध
- वर्ग निर्माण और सामाजिक गतिशीलता
- कामगार महिलाएं: औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था में महिलाएं (विस्थापित/कारखाने की श्रमिक)

युनिट 3: राष्ट्रवादी विमर्शों में महिलाओं की जगह

- प्राचीन अतीत की राष्ट्रवादी संरचना
- सांस्कृतिक संकट: सुनील गंगोपाध्याय पर बहस, 'वह समय'
- समाज सुधार आंदोलन और महिला प्रश्न
- महिलाओं की पुर्नरचना: विवाह संबंधों की नई अवधारणाएँ और बदलता परिवार (भद्र महिला का उदय)
- महिला प्रश्नों की राष्ट्रवादी प्रस्तावना

युनिट 4: स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाएं

- गांधी, स्त्री और राष्ट्र
- क्रांतिकारी आन्दोलनों में महिलाएं
- कामगारों, किसानों और जनजातिय आंदोलनों में महिलाएं

चतुर्थ छमाही

प्रथम प्रश्नपत्र : स्त्रीवादी अवधारणा/सिद्धान्त

युनिट 1: नारीवाद सिद्धान्तों की अवधारणा

- उदारवादी नारीवाद
- उग्र नारीवाद
- समाजवादी नारीवाद
- मार्क्सवादी नारीवाद
- अश्वेत नारीवाद
- दलित नारीवाद

युनिट 2: स्त्री और सीमाओं का विश्लेषन

- स्त्रीवादी सिद्धान्तों में सार्वजनिक-निजी भेद/बहस
- वास्तुकला का लैंगिक स्वरूप - स्कूल, अस्पताल सार्वजनिक शोचालय आदि
- राष्ट्रीय सीमाओं का लैंगिक चरित्र - विभाजन, विस्थापन और महिलाओं का आदान-प्रदान
- सीमाओं का अतिक्रमण दक्षिण एशिया में स्त्री और श्रमिक का विस्थापन

युनिट 3: सिद्धान्तों की पुर्नव्याख्या

- भूमंडलीकरण के दौर में अन्तरराष्ट्रीयतावाद
- मानवाधिकार, मानव सुरक्षा और स्त्री अधिकार
- शाश्वत बहनापा बनाम स्टैण्डप्वोइट सिद्धान्त
- स्त्रीवादी सौन्दर्यशास्त्र - समाज का लैंगिक स्वरूप और कला

द्वितीय प्रश्नपत्र : शोध प्रविधि

युनिट 1: सामाजिक विज्ञानों में शोध प्रवधि - कारण, प्रभाव और प्राकल्पना

- विषय चयन - वस्तुनिष्ठता, क्षेत्र और सीमाएं
- प्रमुख आकड़ों के स्त्रोत - परिमाणात्मक और गुणात्मक
- तथ्य संग्रह - प्राथमिक तथ्य संग्रह के उपकरण और तकनीक (क्षेत्रकार्य एवं सर्वेक्षण, प्रश्नावली, साक्षात्कार, सहभागी अध्ययन)
- द्वितीयक तथ्य का प्रयोग - साहित्य, दृश्य-श्रव्य सामग्री, ऐतिहासिक आलेखों का संग्रह
- तथ्य विश्लेषणः वर्गीकरण और व्याख्या, शासकिय उपकरण, परिमाणात्मक तथ्यों का प्रयोग

युनिट 2: प्रचलित शोध प्रविधि की नारीवादी आलोचना

- जनगणना, सांखिकी और इसकी सीमाएं
- सरकारी दस्तावेजों का अध्ययन: गजेटियर, सरकारी दस्तावेज और विधिक अभिलेख
- प्रश्नावली और क्षेत्रकार्य: सत्ता संबंधों के प्रति संवेदनशीलता; नारीवादी शोध प्रविधि
- घरेलू श्रम को जनगणना में रखने का संघर्ष

युनिट 3: नए तथ्यों के उत्पादन के वैकल्पिक स्त्रोत

- नए आर्काइव बनाना, स्त्री लेखन और प्रतिआख्यानों का महत्तव
- मौखिक आख्यानक और मौखिक इतिहास
- लोक कथाएँ
- कला तथा मंत्रकला में महिलाओं का प्रस्तुतीकरण

Course XV and XVI. Research Project.

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

M.A. Women's Studies

FOUNDATION LECTURES (for those entering WS from other disciplines.)

- Why Women's Studies.
- The Women's Movements and Women's Studies.
- Dialectical relationship between women's movements and women's studies.
- Interdisciplinarity of Women's Studies.
- What is Feminisms and Feminist theories.
- Women: Production and Reproduction
- The creation of Patriarchies. (Define key concepts like gender, sexuality, power, violence)

Semester 1

First paper: Feminist Critique of Knowledge Production

Unit 1: Ideology and production of knowledge from gender point of view

- Women's exclusion from knowledge
- Study of education and literacy materials like school and college textbooks

Unit 2: The question of Interdisciplinarity

- Critique of some major disciplines (we can take up any two: economics, psychology, sociology and philosophy and so on)
- Interdisciplinarity: problems and potentialities

Unit 3: History of Women's Movements

- History of the woman question: India & Europe (key Q- suffrage, working women issues, Birth control movement)
- Women's movements in India: major issues.

Unit 4: Institutionalization of Women's Studies and challenges to it

- Women's studies as an academic discipline
- Integration and autonomy debate
- Experiences and challenges faced by women studies departments
- The experiences/disciplines of other marginalized groups (we could take up: social exclusion, dalit, tribal, regional studies and so on)

Second Paper

Locating Women in History

Unit 1: What is his/herstory?

- Overview of Indian history through NCERT TB (10-12 class)
- Problems of mainstream historiography: Exclusion and 'Visibility'
- Possibilities of recovering women's histories

Unit 2: Early political structures and consolidation of patriarchy

- Class, state and gender in Mesopotamia Caste, Class, State and gender in Early India
- Accomodation of women within patriarchy: Elite women and their access to power (Polygamy, parda, Rubina

Unit 3:Labour and property relations in India

- Gendered division of labour
- property relations and inheritance
- women's work participation
- regional variations and major trends of agrarian expansion

Unit 4: Religious Traditions

- Vedic Brahmanical tradition
- Buddhist and Jain challenge
- Medieval devotionalism--- Bhakti, and Sufi strands
- Other Indian traditions- Islam and Christianity

Third Paper

Ways of Reading/Literature

Unit I: Overview

- Women's Studies and its special relation to literature
- Patriarchies in social life & literature
- Theories of reception and representation
- Feminist reading of a literary text
- Feminist enquiry of literary genres

Unit II: Ways of Reading Epics and their reconstruction

- Locating women in historical context of epics like Mahabharata and Ramayana
- Shakuntala/ Madhvi/Urvashi
- Sita, Manimekhalai, Silapatiharan

Unit III: Locating the female self in folk genres, oral narratives and romantic legends

- Romantic legends- Heer Ranjha/ Sohni Mahiwal / Lorik Chanda .
- Emergence of the female voice in Bhakti Oral Literature.
  (We can take up Mira, Mahadevi Akka, Chokyachi Mahari, Bahina Bai, Andal, Lalded, Kabir, Soordas, Tulsi)
- The Female Voice in Sufi Tradition (we can take up Rabia, Bulleh Shah, Shah Hussein)

Unit 4: Women in modern Hindi Literature

- Autobiographies
- Journal and Magazines
- Short stories
- Novels
- poetry

Fourth Paper

Ways of Seeing/Cinema-TV

Unit 1: **Introduction to cinema and technology as a medium**

- Theories of mass-media reception.
- Advertisement and the production of global consumer.
- Cinematic theories

Essential Readings:

- Ways of Seeing- John Berger
- Understanding Media-Marshal McLuhan (Sharad)
- Visual pleasure and narrative cinema: Laura Mulvey
- The Discourse of Advertising-Guy Cook

Unit II History of Cinema and Television in India

- Development of cinema: multiple genres
- Development of television as a popular medium(sharad)
- Documentaries as resistance (such as documentaries made on dowry, sati, rape and communal and various forms of violence.)

Essential Readings:

- Television-Raymond Williams
- Women's Pictures, Feminism and Cinema-Ann E Kaplan

Unit III socio-political matrix of the media

- Political economy of cinema and TV
- Media as dream setter: Popular magazines
- Caste and class bias in Indian media
- Role of media in riot situations (Sharad)

Essential Readings:

Unit IV Women on Screen

- Changing binaries: The good and the bad woman in mainstream Indian Cinema.
- Construction of the new woman in Indian cinema.
- Cinema by women

SECOND SEMESTER

First Paper

Patriarchy, Social reproduction and Sexuality

Unit I: Conceptualizing Social reproduction

- The politics of procreation through motherhood
- Marriage as a form of sexual control
- Control on women's body through patriarchal ideologies: consent, complicity, chastity, and honor.
- Violence and reproduction of patriarchy

Unit II: Social Construction of Sexuality

- Historicizing sexuality : varying sexual arrangements in epics, (We can take up Nagarvadhu and Devdasies)
- Social construction of patriarchy in terms of norms, deviance and punishment
- Renunciation and sexual abstinence
- Enforced celibacy of upper caste widows
- Sexuality in nationalist discourse

Unit IV: Contemporary debates about sexuality

- Debates about sex work
- Beyond binaries: recognizing diverse sexualities
- Sexual rights movements

Second Paper

Caste, Class and Gender

Foundation lecture: Introduction to caste, class and gender

Unit I: Theories of Caste

- Structuralist analyses of caste
- Materialist analysis of caste
- Dalit Perspectives

Unit II: Caste and Gender

- Marriage and the reproduction of caste
- Endogamy and Exogamy
- Caste Panchayats and the reinforcing of marriage structures
- State institutions and inter-caste marriage

Unit III: Tribe and caste: Questions of transitions and continuum

- Structure of a tribe and their social,economic relations
- Relation between tribe and caste
- Transformation of tribe in caste society
- Matriliny and matriarchy
- Sexual divisions of labour in tribes

Unit IV: What is class

- Introducing class
- **C**lass categorization of Indian society (agricultural relations).
- Relation between class and cast
- Relation between class and gender

Third Paper

Women and health

Unit I: Social, economic and political determinants of women's health

- Womanhood as disease: Health Vs beauty, general health Vs reproductive health
- The politics of malnutrition ,under nutrition and anemia
- Social and Cultural taboos and practices (Puberty, pregnancy, childbirth, menopause)
- Differential access to health delivery system.
- Occupational health of women: Domestic ,agriculture and unorganized

Unit II: Gender inequalities in public health policy

- Review of public health policy
- Gender Bias in medical research
- Liberalization and impact on public health : health as commodity
- Medicalization of female body: pregnancy and childbirth(Supriya).
- NHRM and structural reform in health

Unit III: Reproductive health and population policy

- Birth control Vs population control: trends and implications on women's health.(Supriya)
- The global abortion rights movements: legality issue, sex selection.
- Reproductive technologies and their adverse effect on women. (Supriya)
- Changing notion of motherhood : surrogate motherhood ((Supriya)

Unit IV: From margin to center

- Health needs of special groups: physically and mentally challenged persons
- Survivors of sexual violence: Communal and conflict situation(supriya)
- Mental health(supriya)

Unit V: History of healing

- Women as healers and their gradual marginalization: reclaiming knowledge
- Feminist critique of major health system :Ayureveda, homeopathy ,allopathy
- Reclaiming Women's rights to their own bodies and health self help movement (Supriya)

Fourth Paper

Women in South Asian Literature (to be taught in the winter semester,2010)

Women in South Asian Literature

Unit 1: Overview of South-Asian history and women's movement

South Asia as a geo cultural unit, brief history of Pakistan, Bangladesh, Srilanka and Nepal, Developmental and Political issues, Women's issues and Women's resistance (focus: Honour Killings and Hudood ordinance; resistance by WAF in Pakistan, Poverty, trafficking and prostitution in Bangladesh and Nepal, Women's role in Peoples resistance in Nepal)

Unit II: Representations of Women in the Literature of Major Indian Languages

Emergence of the Women's question in the 19th century. Overview (Readings- Veer Bharat Talwar (Rassakasi), Bhavdev Pandey (Band Mahila) followed by detailed study of any two authors from non Hindi Literture (any two languages)

Bangla : Brief review, three selected texts from among :

Rasasundari Devi (Amar Jiban) **Binodini Dashi** (Amar Kotha), **Bankim Chandra** (Kapalkundala/Devi Choudhurani), **Sarat Chandra** (Parineeta/Pather Dabi), **Rabindra Nath Tagore** (Ghare Baire/Jogajog/Chokher Bali) **Ashapoorna Devi** (Pratham Pratishruti)

Marathi : Brief Review, three selected texts from among

Kashibai Kanitkar (Palkicha Gonda) **Laxmi Bai Tilak** (Smriti Chitre), **Hamsa Wadkar** (Sangatye Aika), **Geeta Sane** (Hirvalikhali) **Urmila Pawar** (Aidan), **Pragya Lokhande** (poems)

Unit III South Asian Literature (study of any two national literatures)

Pakistan Mumtaz Shahnawaz (A heart divided), Bapsi Sidhwa (The Pakistani Bride/Cracking India), Tehmina Durrani (My feudal Lord).

Bangladesh Selina Hossain (Jolochchas/Juddha) Firdaus Azim, Niaz Zaman, Nasreen Jehan-short stories) Sufia Kamal, Jasimuddin (poetry)

Unit IV: Resistance Literature by women in South Asian Literature

- **Poetry Chandrabati's** lyrics from Mymensinha geetika (**Bengal/Bangladesh,** Keshwar Naheed and Fehmida Riaz (Pakistan)
- **Prose Tasleema Nasreen** Lajja, Amar meyebela (Bangla-Bangladesh) **Zahida Hina** Pakistan diary/Na Junoon Raha, na Pari rahi (Urdu-Pakistan), **Maya Thakuri**- The trap (Nepali-Nepal) C**.S. Lakshmi alias Ambai**- Short stories: the Squirrel, (Tamil-India) **Volga**- Ayoni (Telugu-India) **Bama**-Karikku (tamil-India) Vaidehi-Retelling Shakuntala (Kannada- India **Nabaneeta Dev Sen**-Ramayan Reinterpreted (Bangla-India)

Third Semester

First Paper

The Political Economy of Gender and Development

Unit I: Introduction to basic concepts of Political Economy

- What is political economy
- What is economic activity(define work, wages, labour force)
- Women in formal/informal labour
- Production, consumption, distribution

Unit II: Feminist critique of mainstream economic theory

- Basic premise of mainstream neo-liberal economic theory
- Feminist critique of these premise
- Critique of rational man and undifferentiated growth premises
- Domestic labour debate

Unit 3: **Contexts of development debates**

- Social reproduction and its significance
- State welfare policies
- Globalization and changes in economic activity
- Women in the global labour market: marginalization, immiserisation, casualization and new spaces.
- Women's resistance to globalization

Unit IV: Patterns of Consumption

- Household as the unit of consumption
- Intra Household divisions
- Entitlements, Disabilities and bargaining.
- Care economy

Unit V: Human Development Perspectives

- Contemporary models of development (such as Human development: concept and index, trickle down theory, concepts of equity and social justice by Amartya Sen)
- Rhetoric of gender development, WID-WAD: GID- GAD; International Funders and the rhetoric of development
- Self Help Groups and Microfinance strategies
- Feminist critique of Science and Technology
- Ecofeminism

Second paper

International Political Order and Militarization: Conformity and Dissent

Unit I: New international political order

- Multipolar to Unipolar world
- Globalization and Role of nation states
- Nations, states and marketization

Unit II: Impact of Globalization on women's labour

- International migration of labour force- women as migrant labourers
- Sex trafficking

Unit III: Women and militarization

- Militarization and conflicts
- International hierarchies of power (recolonization, north/south etc.)
- Economic impact of militarization on women

Unit IV: **Women in situations of conflicts**

- Women in militant movements (case study from south asia)
- Right wing communal mobilization of women in riots
- Women in peace movements

Unit V Media in a unipolar world

- Dominating world opinion and manufacturing consent.
- Corporatization and its implications
- The rhetoric of 'terror': legitimizing military interventions
- The media as an instrument of dissent; new technologies of resistance.

Unit VI: Towards a Multipolar world: Sites of resistance

- Afghanistan, Iraq, Iran, and Palestine
- Latin America
- Russia and China
- Peoples movements

Third Paper

State Ideology, legal and educational institutions

Foundation lectures:

Character of the state
Ideological apparatuses of the state

Unit I: **Gendering the State**

- Ideologies of the state: the paternalism of the modern state.
- Questions of citizenship: formal equality and substantive equality.
- Post-colonial state policies; welfare schemes for women in India.

Unit II: **Creating gendered citizens: Education and Gender Socialization**

- Educating women as wives and mothers: Class and colonial imperatives in the 19th and 20th centuries.
- Contemporary debates and policies on women and education.

Unit III: **Contemporary Legal System of India**

- Inside the Family: personal codes; marriage, inheritance and guardianship.
- Inside the Family: violence against women; dowry and domestic violence.
- Laws for working women: maternity benefits and child care.
- Sexual Crimes: rape, sexual harassment in the workplace.

Unit II: **Feminist Legal Theory**

- Feminist critique of legal systems
- Women as perpetrators and victims of criminal jurisprudence

Unit IV: The Women's Movement and the Law

- Transforming the laws (such as laws on rape, dowry murders, sati, domestic violence etc.)
- Analysing the experience of working with the state: contemporary debates in the women's movement.

Fourth Paper

Nationalism, Colonialism and Gender

Unit I: **The colonial construction of India and the emergence of the women's question.**

- Orientalism
- James Mill and the History of British India
- Indologist construction of spiritual India

Unit II: **Early British Social, Structural and Institutional Interventions**

- The abolition of Sati and the Widow Remarriage Act (and other legal debates)
- Revenue systems and property relations
- Class formation and social mobility
- Working class women: women in colonial economy (migrant/factory labor)

Unit III: **Locating women in nationalist discourse**

- Nationalist construction of ancient past
- Cultural Crisis: Discussion on Sunil Gangopadhayaya, *Shei Samay*
- Social reform movement and the woman question
- 'Re-casting Women: New notions of conjugality and transforming the family (emergence of bhadramahila)
- The nationalist resolution of the woman question

Unit IV: **Women in the independence movement**

- Gandhi, women and the nation
- Women in revolutionary movements
- Participation of women in working class, peasant and tribal movements

Forth semester

First paper

Feminist theories

Unit I: **Conceptualizing Feminist theories: Issues and debates**

- Liberal feminism
- Marxist feminism
- Radical feminism
- Socialist feminism
- Black Feminism
- Dalit feminism

Unit II: **Analyzing Women and space**

- The public private divide/debate in feminist theory
- Gendering Architectures: Schools, Hospitals, public toilets, etc.
- Gendering the national boundaries: partition and repatriation of women
- Transcending boundaries: women and labour migration in south Asia

Unit III: **Redefining theories**

- Internationalism in the age of globalization
- Human rights, human security and women's rights
- Universal sisterhood vs. Standpoint theory
- Feminist aesthetics: Gendering Society and art

Second Paper

Research Methodology

Unit I : Research Methodology in the Social Sciences: Cause, effect, and Hypotheses.

- Problem selection: objective, scope, and limitations
- Major data sources, quantitative and quantitative.
- Data collection : tools and techniques for primary data collection (field work and survey, questionnaire, interview, participatory observation)
- Use of secondary data- literature, audio visual material,archives.
- Data analysis: classification and interpretation, statistical tools,use of quantitative data.

Unit II: Feminist critiques of existing research methodology

- Census, statistics and its limitations
- Reading official texts; gazetteers, official documents and legal records
- Questionnaires and fieldwork; sensitivity to power relations; feminist research methodology.
- The struggle to put domestic labour into the census.

Unit III: Alternate sources for generating new data

- Creating a new archive; women's writing and the importance of counter narratives.
- Oral narratives and oral history
- Folklore
- Case studies of women in performance.

Course XV and XVI. Research Project.